

खबर संक्षेप

राजयोगिनी दादी एकाशमणि की पुण्यस्मृति में 25 को 'विश्व बंधुत्व रक्तदान महाअभियान'

मण्डला। ब्रह्माकुमारीज संस्था के समाज सेवा प्रभाग (RERF) द्वारा पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में 'विश्व बंधुत्व रक्तदान महाअभियान' का आयोजन किया जा रहा है। यह रक्तदान शिविर 25 अगस्त, मंगलवार को स्थानीय बस स्टैंड के पीछे, ब्रह्माकुमारीज मार्ग स्थित 'विश्व शांति भवन' में आयोजित होगा। रक्तदान शिविर 25 अगस्त को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक निधारित किया गया है। ज्ञान, योग और आत्मिक भाव से किया गया रक्तदान न केवल किसी का जीवन बचाता है, बल्कि समाज में आशा और प्रेम का संदेश भी फैलाता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था ने मंडला के सभी युवाओं, समाजसेवियों एवं नागरिकों से इस मानव सेवा के पुनीत कार्य में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रक्तदान करने की अपील की है। रक्तदान में भाग लेने एवं अग्रिम पंजीकरण के लिए नागरिक मो. नं. 7999925948, 8085531012 पर संपर्क कर सकते हैं।

माहिष्मती घाट में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर संपन्न

मण्डला। शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय, मंडला द्वारा माहिष्मती घाट, मंडला में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुंचे सभी रोगियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार आवश्यक औषधियों का वितरण भी किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नागरिकों को वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों, जैसे मलेरिया, डायरिया, सर्दी-जुकाम आदि से बचाव एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी दी।

त्यौहारों के मद्देनजर खाद्य विभाग की कार्रवाई



मण्डला। आगामी त्यौहारों को दुष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देश पर नैनपुर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने विशेष अभियान चलाया गया। नायब तहसीलदार एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी की संयुक्त टीम ने विभिन्न दूध डेयरियों, मिठाई प्रतिष्ठानों एवं होटल का औचक निरीक्षण किया। अभियान के दौरान वार्ड क्रमांक 15 स्थित अनन्या दूध डेयरी बिना निर्धारित खाद्य पंजीयन के संचालित पाई गई। मौके पर भैंस के मिश्रित दूध का नमूना जांच के लिए लिया गया तथा बिना पंजीयन खाद्य कारोबार संचालित करने पर प्रतिष्ठान को आवश्यक पंजीयन प्राप्त होने तक सील किया गया। ग्रीन सिटी के सामने स्थित अनन्या दूध डेयरी से पनीर का नमूना लिया गया, जहां दूध से मिठाई एवं पनीर का निर्माण किया जा रहा था। इसी क्रम में मेन रोड स्थित अग्रवाल स्वीट्स से गुलाब जामुन एवं पनीर के नमूने तथा प्रेम होटल से रबड़ी का नमूना जांच हेतु लिया गया। प्रेम होटल के किचन में स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया।

कावड़ यात्रा मोनी घाट से जल लेकर निकले कावड़िये।

विशाल कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

\* कांवड़ियों ने किया भगवान भोलेनाथ का जलामिषेक।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

सावन के पावन अवसर पर रविवार, 23 अगस्त को नर्मदा तट स्थित मोनी घाट से विशाल कांवड़ यात्रा का भव्य शुभारंभ हुआ। यात्रा में हजारों कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय नजर आया। कांवड़ यात्रा में भगवान



भोलेनाथ की मनमोहक झांकी और बाबा महाकाल की आकर्षक सवारी एवं पालकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता की। मोनी घाट से प्रारंभ हुई यात्रा बबैहा, ग्वारी और फूलसागर होते हुए सागर पहुंची, जहां भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से आरती एवं पूजन किया गया। इसके पश्चात कांवड़ यात्रा बकौरी स्थित नखवी माता मंदिर के

कांवड़ यात्रा समिति के सदस्यों और बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह और आस्था दिखाई दी। धार्मिक एकता और भक्ति से सराबोर इस यात्रा ने क्षेत्र में शिवमय वातावरण बना दिया। श्रावण मास में पूरे जिले में कावड़ यात्रा को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखाई दे रहा है कावड़िये माँ नर्मदा का जल लेकर अपने क्षेत्र के शिवालयों में सुरक्षित छोड़ अभिषेक कर रहे हैं।

लिए रवाना हुई। नखवी माता मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शिव का ज ला भि षे क , पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ लिया। विशाल कांवड़ यात्रा में क्षेत्र के शैलेश मिश्रा सहित

मनेरी पेट्रोल पंप लूटकांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

पुलिस ने मनेरी पेट्रोल पंप लूटकांड के कथित मास्टरमाइंड आयुष विश्वकर्मा को जबलपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 10 हजार रुपए भी बरामद किए हैं। आयुष की गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में अब तक पांच आरोपी पकड़े जा चुके हैं, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। आरोपी को रविवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

यह घटना 9 अगस्त की मध्यरात्रि को हुई थी, जब सात नकाबपोश बदमाशों ने मनेरी क्षेत्र स्थित अतुलित फिलिंग सेंटर पर धावा बोली। बदमाशों ने हथियारों के दम पर पेट्रोल पंप कर्मचारियों को डराकर 93 हजार 875 रुपए लूट लिए थे। पूरी वारदात पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी।



गिरफ्तार किया गया आयुष विश्वकर्मा जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग का थर्ड ईयर का छात्र बताया जा रहा है। वह जबलपुर के गढ़ा पुरवा का निवासी है। पुलिस उससे पूछताछ कर लूट की पूरी साजिश, अन्य आरोपियों की भूमिका और फरार दो आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडला पुलिस ने तत्काल आठ विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी

साक्ष्यों और घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। इसके बाद मनेरी से लेकर जबलपुर के बरेला, भूकम्प कॉलोनी और मॉडिकल कॉलेज क्षेत्र तक पुलिस टीमों ने दबिश दी।

पुलिस ने पहले ही अमित झारिया, पवन झारिया, सौरभ शर्मा और शिवम श्रीपाल को गिरफ्तार कर लिया था। इन आरोपियों की निशानदेही पर 50 हजार 500 रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई स्क्रॉपियो गाड़ी बरामद की गई थी।

अपने बच्चे की प्रतिभा पहचानना अभिभावक की पहली जिम्मेदारी

बच्चों को सुरक्षित नहीं बड़ा भविष्य दीजिये

\* सुविधाएँ कम हों तो रास्ता बदलिये, सपना नहीं।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

बच्चों को सिर्फ सुरक्षित भविष्य मत दीजिए, बड़ा भविष्य दीजिए। हम अभिभावक के रूप में अक्सर बच्चों के लिए एक सुरक्षित नौकरी चाहते हैं लेकिन क्या हमारा सपना सिर्फ इतना होना चाहिए कि बच्चा किसी तरह नौकरी पा जाए ? क्यों न वह नौकरी देने वाला बने ? क्यों न वह अपने क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ बने ? क्यों न वह दुनिया के मंच पर भारत का नाम रोशन करे ? बच्चों को हर असफलता से बचाने के बजाय उन्हें मेहनत, अनुशासन, संघर्ष और असफलता से सीखना सिखाना चाहिये। उनकी उंगली पकड़कर



एक घर से एक कलाकार निकल सकता है। एक घर से एक सैनिक, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या नेता निकल सकता है। देश का भविष्य संसद से जितना तय होता है, उतना ही घरों के ड्राइंग रूम, स्कूलों और मैदानों में भी तय होता है।

मंडला और पूरे प्रदेश के अभिभावकों से स्थानीय अभिभावक संदीप कछवाहा का मानना है कि सरकार से सवाल जरूर पछिए, लेकिन अपने बच्चे के लिए पहला कदम उठाने का इंतजार सरकार का मत कीजिए। अपने बच्चे की प्रतिभा पहचानिए। उसे अवसर दीजिए। उसे मेहनत करना सिखाइए। उसे अनुशासन सिखाइए। उसे असफल होने और फिर उठकर खड़े होने का साहस दीजिए।

जब नेशनल गेम्स कॉमपलेक्थ गेम्स एसियन गेम्स या ऑलिंपिक आते हैं तो पूरा देश टीवी के सामने बैठकर भारतीय खिलाड़ियों के पदकों का इंतजार करता है। लेकिन कभी हमने खुद से पूछा है- इन चैंपियनों को तैयार कौन करता है? सरकारें बाद में आती हैं पहला

भरोसा तो माता-पिता ही देते हैं। पहला त्याग घर के लोग करते हैं। आज खेलों के क्षेत्र में एक और गंभीर बात पर अभिभावकों को जागरूक होने की जरूरत है। कई ऐसे खेल और गतिविधियां भी प्रचारित की जाती हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्व सीमित है और जिनका National Games, Commonwealth Games, Asian Games या Olympic Games जैसे बड़े मंचों से सीधा संबंध नहीं है। इसलिए किसी भी खेल को चुनने से पहले यह जरूर समझिए कि उस खेल की मान्यता, प्रतियोगिता का स्तर, भविष्य की संभावनाएं और अंतरराष्ट्रीय मंच क्या है। सिर्फ नाम, चमक-दमक या स्थानीय प्रचार देखकर अपने बच्चे का भविष्य तय मत कीजिए। सरकार के भरोसे बैठकर बच्चे का भविष्य मत रोकिए हम अक्सर कहते हैं-“सरकार अच्छी अकादमी नहीं बना रही। यह सही नहीं है।

बेशक, बेहतर खेल व्यवस्था और सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन

अपने बच्चे की प्रतिभा पहचानना सरकार की नहीं, माता-पिता की पहली जिम्मेदारी है। अगर आपके बच्चे में प्रतिभा है, तो उसे सिर्फ इसलिए मत रोकिए कि व्यवस्था अभी पूरी तरह तैयार नहीं है। सुविधाएं कम हों तो रास्ता बदलिए, सपना नहीं। आज देश के हजारों बच्चे मोबाइल की स्क्रीन पर दूसरों के सपने देख रहे हैं। जरूरत है कि माता-पिता उन्हें मोबाइल की दुनिया से निकालकर मैदान, प्रयोगशाला, किताब, कंप्यूटर कला, कौशल और उद्यमिता की दुनिया में लेकर जाएं।

हर बच्चे को चैंपियन बनाइए- लेकिन अपनी पसंद का नहीं, उसकी प्रतिभा का। हर बच्चा खिलाड़ी नहीं बनेगा और हर बच्चे को खिलाड़ी बनाना भी जरूरी नहीं है लेकिन हर बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा जरूर हो सकती है किसी को खेल में आगे बढ़ाइए किसी को विज्ञान में। किसी को तकनीक और AI में। किसी को बिजनेस और स्टार्टअप में। किसी को संगीत, कला या सिनेमा में। किसी को रिसर्च, कानून या शिक्षा

में। मंजिल एक नहीं होनी चाहिए, लेकिन लक्ष्य बड़ा जरूर होना चाहिए। अपने अधूरे सपनों का बोझ बच्चों पर मत डालिए। बच्चे को यह तय करने का अवसर दीजिए कि वह किस क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता है और सबसे जरूरी-उसके सपने पर अपना डर मत थोपिए। अपने बच्चे से एक सवाल जरूर पूछिए- “तुम दुनिया में क्या बनना चाहते हो?” और फिर उसके जवाब को सिर्फ सुनिए मत उस सपने के साथ खड़े हो जाइए। क्योंकि किसी बच्चे की सफलता की पहली सीढ़ी अक्सर किसी बड़ी सरकारी योजना से नहीं, उसके माता-पिता के विश्वास से शुरू होती है।



कैबिनेट मंत्री संपतियां उईके ने किया वरिष्ठ नागरिक रामकुमार सोनी का सम्मान सौपा श्रीफल

नारायणगंज। नारायणगंज लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (PHE) कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया ने एक सादे एवं गरिभामय कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता रामकुमार सोनी पिता मिश्रीलाल सोनी को सम्मानित किया मंत्री ने उन्हें समाज और पार्टी संगठन में उनके लंबे योगदान के लिए सर्वोच्च स्थान देते हुए



श्रीफल और अंगवस्त्र भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतियां उईके ने कहा कि वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और बुजुर्गों का अनुभव ही समाज व संगठन की असली पूंजी है उन्होंने कहा कि रामकुमार सोनी जैसे वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन में ही नई पीढ़ी को निस्वार्थ सेवा और समर्पण की प्रेरणा मिलती है कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिनिधि राजेश सोनी संतोष सोनी धनीराम सोनी राजेंद्र सोनी विपिन सोनी रामलाल पटेल ब्लॉक अध्यक्ष किशनलाल तेकाम दिखाई गई इस सम्मान की और आदर भाव की सराहना की

आंगनवाड़ी केंद्र में महिलाओं को शासकीय योजनाओं की दी गई जानकारी

मण्डला। आंगनवाड़ी केंद्र पंचायत टोला-2, बिछिया में वन स्टॉप सेंटर द्वारा हब की मासिक गतिविधियों के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। इनमें मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, महिला श्रमिकों के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना तथा मनरेगा प्रमुख रहीं। उन्होंने घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली छह प्रकार की सहायता के बारे में जानकारी देते हुए महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी बताया। पैरालीगल वॉलेंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निराश्रित बच्चों के लिए संचालित सारथी चैंपियन, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के तहत संचालित आशा योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी।

कोबरा सांप और दो नेवलों में हुई मिड़ंत, घायल सांप का सुरक्षित रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/बम्हनीबंजर

बिछुआ रोड पर कोबरा सांप और दो नेवलों के बीच हुई लड़ाई से कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा। सड़क पर सांप के घायल अवस्था में पड़े होने से राहगीरों और ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना संप्रमित्र अर्पित हरदहा की फोन के माध्यम से दी। सूचना मिलते ही संप्रमित्र मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक घायल कोबरा सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद सांप को उपचार किया गया और स्वस्थ होने पर उसे प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षित छोड़ दिया गया।



सांपों की जान बचाने में जुटे संप्रमित्र अर्पित हरदहा

बम्हनी बंजर क्षेत्र में संप्रमित्र अर्पित हरदहा द्वारा लगातार सराहनीय कार्य किया जा रहा है। जहां सांप को देखते ही अधिकांश लोग डरकर उससे दूर भागते हैं, वहीं अर्पित हरदहा बिना घबराए मौके पर पहुंचकर सांपों को सुरक्षित रेस्क्यू करते हैं और उनकी जान बचाने का

तुलसी जयंती पर विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

मण्डला। हिंदी साहित्य समिति एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद, मंडला के संयुक्त तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती मंडन मिश्र सभागार, गौडी पब्लिक ट्रस्ट माहिष्मती घाट में मनाई गई। कार्यक्रम में के.एल. सोनी मुख्य अतिथि तथा अरविंद शुक्ला अध्यक्ष रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विनोद सुरेश एवं विजय अग्रवाल उपस्थित रहे। समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा वाजपेयी ने बताया कि तुलसी जयंती के अवसर पर शालेय स्तर पर रामचरितमानस आधारित वाद-विवाद, तुलसी पद गायन, निबंध एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें बेलवेंदर इंटरनल स्कूल, महर्षि विद्या मंदिर, मॉन्टेफोर्ट स्कूल, निर्मला कॉन्वेंट स्कूल, भारत ज्योति, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय, जानदीप इंग्लिश मीडियम स्कूल तथा पीएम श्री कन्या शाला महाराजपुर सहित नगर की विभिन्न शालाओं के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समिति के सचिव ज्योति प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रामचरितमानस के प्रति प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना जागृत करना तथा उन्हें तुलसीदास जी की रचनार्यों और रामचरितमानस से परिचित कराना है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा मंडला के विशेष सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में शाखा के सुजय कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक, नितिन अग्रवाल, शाखा प्रबंधक सहित अन्य अधिकारियों ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए और उनका उत्साहवर्धन किया।

खबर संक्षेप

शालेय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की जिला स्तरीय शालेय बास्केटबॉल प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग का आयोजन डीईओ डॉ अनिल कुशवाहा तथा जिला क्रीड़ा एवं कल्याण के मार्गदर्शन में नगर के एक निजी विद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 19 आयु बालक वर्ग के करेली, साईखेड़ा एवं नरसिंहपुर ब्लॉक के छात्र एवं छात्राओं ने सहभागिता करते हुए दमदार खेल प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता उपरांत आगामी समय में होने वाली संभाग स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया। इस आयोजन को संपन्न कराने में आयोजन समिति की अहिम भूमिका देखने मिली।

गांव के बेटी सारिका कौरव ने किया समाज का नाम रोशन



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। जब किसी गांव के बेटा बेटी को अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है तो वह अपने गांव के साथ साथ क्षेत्र व समाज का नाम रोशन करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई एक गांव के बेटी सारिका कौरव द्वारा साबित करते हुये अपनी समाज व गांव सहित संपूर्ण क्षेत्र का नाम रोशन किया गया है। बताया जाता है कि समीपस्थ ग्राम झॉंझनखेड़ा के कृषक कमलेश सिंह कौरव की बेटी सारिका कौरव का चयन MPSC परीक्षा के माध्यम से सफल होकर उच्च शिक्षा विभाग में क्रीड़ा अधिकारी के पद पर चयन हुआ है। ज्ञात हो कि सारिका कर्नाटक के जवाहर नवोदय विद्यालय धारवाड़ में खेल शिक्षक के पद पर पदस्थ है। उनकी सफलता पर ग्रामवासियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जताई है। जल्द ही अब उनको किसी शासकीय महाविद्यालय में पदस्थापना मिलेगी।

नर्मदेश्वर महाकाल की शाही सवारी आज



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। वैसे भी देखा जावे तो चल रहे सावन मास के दौरान धार्मिक आयोजनों की धूम मची हुई देखी जा रही है। वही दूसरी ओर आज सावन मास के अंतिम सोमवार के चलते नगर धर्मयय होते हुये देखा जावेगा। वही बताया जाता है कि आज महाकाल की नगरी उज्जैन की शैली के अनुरूप नगर में नर्मदेश्वर महाकाल की शाही सवारी निकाले जाने की तैयारी की गई है। बताया जाता है ़क इस तरह का आयोजन नगर की प्रजा को आशीर्वाद देने आज 24 अगस्त सोमवार को दोपहर से शिवधाम डमरूघाटी से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई ऋणमुक्तेश्वर धाम शिवालय चौक पहुंचेगी। जहां महा आरती प्रसादी वितरण किया जाएगा। समस्त बाबा महाकाल भक्त एवं क्षेत्र वासियों ने उपस्थिति की अपेक्षा जताई गई है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण जय महाकाल शयन आरती भक्त मंडल उज्जैन द्वार की जाएगी।

बेरोगार युवाओं के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगारमुखी उद्योग न होने से वह शहरों की ओर पलायान करने के लिए हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। जहां एक ओर केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आये दिन नई नई योजनाओं की शुरुआत करते हुए लोगों के लाभ पहुंचने की बात तो कही जा रही है, मगर सही मायने में देखा जावे तो सरकार की घोषणाओं के बाद उसे केबिनेट में पास होकर आम लोगों तक पहुंचते पहुंचते अनेक योजनाएं कहां गायब हो जाती है इसका किसी को पता नही चल पाता है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो युवाओं को सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में पैसा खर्च करते हुए उन्हें शिक्षित बनाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, मगर सवाल यह पैदा हो रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले युवाओं को शिक्षित होने के बाद उन्हें रोजगार नही मिल पाने की स्थिति में यह देखा जा रहा है कि वह अपने आप को माँ बाप के ऊपर भार समझते हुए शार्मिन्दा होकर

जिन्दगी काटने के लिए मजबूर होते हुए देखे जा रहे है? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा गांव गांव स्कूलों की स्थापना करते हुए बच्चों को शिक्षा की डोर से बांधा जा रहा है, मगर ऐसा नही हो सकता है कि हर बच्चा पढ़ लिखकर इंजीनियर या डाक्टर बन सके, कुछ बच्चे अचानक से भी होते है जो अपनी पढ़ाई में कमजोर होने के बाद वह उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण करते हुए अनेक बड़ी नौकरी पाने से बंचित हो जाते है, मगर उन्हें उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण कराने के लिए उनके माँ बाप द्वारा काफी पैसा खर्च कर दिया जाता है इसके बाद जब उनके बच्चों को किसी प्रकार की नौकरी नही मिल पाती है तो स्थिति यह बन जाती है कि वह अपने बच्चों पर खर्च की गई नश राशि के लिए किसी के सामने हाथ तो फैला नही सकते है। मगर जब वह बच्चा युवा

होने के बाद अपने घर बैठ जाता है तो वह अपने आप को माता पिता के ऊपर बोझ समझते हुए शार्मिन्दा होने के लिए मजबूर हो जाता है। इस स्थिति में चलते देखा जाता है कि मजबूरी बस ग्रामीण क्षेत्रों के पढ़े लिखे युवाओं को शहरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होकर किसी सेठ या फिर जागीदार के द्वारा उनका शोषण करने के लिए मजबूर कर दिया जाता है? और इस स्थिति में अनेक युवा अपराध की दुनिया में कदम रखने से भी नही चूकते है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्राम खुलरी सहित क्षेत्र के लगभग सभी गांवों में इस प्रकार से काफी मात्रा में शासकीय जमीने पड़ी हुई है जो या फिर बगीर उपयोगी पड़ी हुई है या फिर उन शासकीय जमीनों पर किसी पहुंच वाले लोगों द्वारा कब्जा करते हुए माला माल हो रहे है।

निश्चित तौर से गेट खुलने की संख्या में इजाफा होने से इंकार नही किया जा सकता है। इस तरह बरगी बांध के गेट खुलने के कारण माँ नर्मदाजी के जल स्तर में लगातार बढ़ोतरी होने के चलते समीपस्थ ककरा घाट पुल के समीप नर्मदाजी का पानी पहुंच चुका है। वही संबंधित विभाग द्वारा पुल डूबने की संभावना को ध्यान में रखते हुये पुल के दोनों ओर की रैलिंग इसलिये ल्काल दी गई है कि पुल को



बदहाली का शिकार हो रहे ग्रामीण क्षेत्रों में बनाये गये लाखों की लागत के प्रतीक्षालय शराबखोरी करने वालों के अड़ों बना रहने से बस यात्री नही कर पाते है उपयोग



हरिभूमि न्यूज/ गाइरवारा। सरकार की विकास वादी सोच के चलते निश्चित तौर विकास होते हुये तो देखा जा रहा है। मगर कुछ विकास इस तरह से देखने मिल रहा है जिसमें पैसा खर्च होने के बाद भी उसके औचित्य पर सबाल खड़े होने से नही चूकते है...? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर सरकार द्वारा गांव गांव बन बाये गये यात्री प्रतीक्षालयों को देखते हुये जान पड़ रही है। यदि इन यात्री प्रतीक्षालयों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर का यात्री प्रतीक्षालय जहां नगर पालिका प्रशासन की देख रेख में निर्माण होते हुये देखा जा रहा है उसकी सच्चाई इस तरह प्रतीत हो रही है कि शायद इस समय जिन पेड़ो का रोपण किया जा रहा है वह फल देना शुरू कर देगे तबतक पूर्ण हो पायेगा...? इस स्थिति में बस यात्री बारिश के दौरान भीगते हुये खुले मैदान में खड़े होकर बसों कास इंतजार करते हुये देखे जाते है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में बने हुये यात्री प्रतीक्षालय बदहाली का शिकार होते हुये देखे जा रहे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के गांवों में शहर के बस स्टेण्ड से बहुत सी

बसे आती जाती है। परंतु जहां तक बस स्टेण्ड का सवाल है तो उसमें इतनी अधिक अव्यवस्था व्याप्त है कि बस यात्रियों को वहां बसों के आने के समय बैठना तक मुश्किल हो रहा है। इसी प्रकार का हाल गांवों में बने हुये यात्री प्रतीक्षालयों का देखने मिल रहा है जिसके चलते वह अनुपयोगी साबित होने से नही चूक रहे है। ज्ञातव्य है कि पूर्व वर्षों में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में शासन-प्रशासन की ओर से चबूतरे, यात्री प्रतीक्षालय बनवाये गये थे जिसमें सांसद से लेकर विधायक निधि का भी उपयोग हुआ है। मगर हैरत की बात है कि लाखों की लागत से बनये हुये यात्री प्रतीक्षालयों का रख रखाव न होने की स्थिति में वह बदहाली का शिकार होकर रह गये है और शराब खोरी का अड्डा बन जाने के कारण उनका बस यात्री उपयोग ही नही कर पा रहे है। इस तरह क्षेत्र के अनेक ग्रामों में बनये हुये इन यात्री प्रतीक्षालयों की स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिल रही है कि उनमें गेट नही होने के कारण शराब खोरी करने वालों के लिये एक सुविधा जनक अड्डा बनकर रह चुके है। क्योंकि गांव गांव खुलेआम हो रही शराब की अवैध विक्री के चलते दिन भर वहां पर

शराब खोरी करने वालों का हुजूम लगने से नही चूकता है, जिसमें अधिकतर ग्रामों के यात्री प्रतीक्षालय अनुपयोगी हो गए है...? ग्रामीणों की माने तो कई गांवो में बने यात्री प्रतीक्षालयों में मवेशियों के प्रवेश, मनचाहे लोगों की बैठक होने से गंदगी व्याप्त होते हुये देखी जा रही है। क्षेत्र में अनेक जगहों पर तो सच्चाई इस प्रकार से देखने मिलती है कि गांवों में बने हुए यह यात्री प्रतीक्षालय पूर्णरूप से शराब खाना बनकर रह गये है जिनमें लोग 24 घंटे शराब पीते हुए दिखाई देते रहते है और प्रतीक्षालयों के अंदर ही शराब की खाली बाटले छोड़कर चलते बनते है? नतीजतन ग्रामों के निवासियों ने यात्री प्रतीक्षालयों का उपयोग बंद कर सड़क पर खड़ होकर बसों की प्रतीक्षा करना बेहतर समझा और वर्तमान में स्थिति यह हो गयी कि क्षेत्र के बहुत से ग्रामों में बने यात्री प्रतीक्षालयों की दशा शोचनीय होती चली जा रही है। यदि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो गांवों में बस यात्रियों की सुविधा के मंद्नजर यात्री प्रतीक्षलय बनाने में सरकार न लाखों रूपए खर्च किए पर अफसोस की बात है कि इन यात्री प्रतीक्षालयों में इस तरह की

सहूलियतें नही दी गयी, जिससे बस यात्री गर्मी, बारिश के समय में इनके अंदर बैठकर बसों के आने का इन्तजार कर सके। कई गांवों में यात्री प्रतीक्षालय दुर्दशा के शिकार है। हैरत इस बात है कि ज़म्मेदारी को अनदेखी के चलते इनकी स्थिति बदहाल होने के साथ आसामाजिक तत्त्वों के अड्डे बनकर रह गये है। जबकि प्रशासन को इन पर ध्यान देकर बस यात्रियों को नए सिरे सुविधा देने पर विचार करना चाहिए। इस तरह गांवों में यात्री प्रतीक्षालय तो बना दिए गए पर उनमें सुविधाओं का अभाव होने से उनके निर्माण का औचित्य पूरा नही हुआ...? लाखों की लागत से बनाये गये इन यात्री प्रतीक्षालयों में पेयजल, निस्तार की सुविधा न होने से महिलाओं, बच्चों को परेशान होना पड़ता है और जब सड़क पर ट्रैफिक ज्यादा होता ह उस दौरान होटलों या सड़क किनारें खड़े होकर उन्हे बसों के आने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यह सच्चाई है कि क्षेत्रीय गांवों के निवासी कहीं आनेजाने के लिए बसों की यात्रा पर ही निर्भर है, इसलिए जरूरी है कि यात्री प्रतीक्षालयों की दशा में सुधार की दिशा में प्रशासन को गंभीरता का परिचय देना चाहिए।

आज सावन मास के चौथे सोमवार को जगह जगह होगी शिवजी की आराधना, निकलेगी कावड़ यात्रा

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा।

शिव भक्तों के लिये सावन मास शिवजी के आर्धना करने के लिये प्रमुख माना जाता है। इसी के चलते आज सावन मास के चौथे व अंतिम सोमवार को नगर के शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने से नही चूकेगी। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि सावन मास में जहां धार्मिक आयोजनों की धूम मची हुई देखी जा रही है। वही दूसरी ओर आज सावन मास के चौथे व अंतिम सोमवार को नगर शिवमय होने से नही चूक पायेगा...। इस तरह सावन मास के चौथे सोमवारके विशेष संगम के शुभ योग में भगवान भोले नाथ का आशीर्वाद लेने के लिये भक्तों को उतवला होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर इस तरह सावन मास के चौथे सोमवार के चलते आज शिवजी की आराधना में भक्त पूर्ण रूप से मग्न होने से नही चूक पायेगे। वही आज श्रावण मास के अंतिम सोमवार को हर साल की भांति समीपस्थ माँ नर्मदाजी के ककरा घाट से अनेक लोगों द्वारा



आज काबड़ यात्रा निकाली जावेगी जो शिवधाम डमरू घाटी पर पहुंचकर समापन होगी। इसी प्रकार से समीपस्थ थररी घाट से भी श्रावभक्तों द्वारा कावड़ यात्रा निकाले जाने की तैयारिया पूर्ण हो चुकी है। यह काबड़ यात्रा थररी से शुरू होकर नरवारा, कोठिया,

लूलवानी से होते हुये कौड़िया से निकलते हुये शिवधाम डमरूघाटी पहुंचेगी। इसी प्रकार से अन्य लोगों द्वारा भी आज काबड़ यात्राये निकालते हुये शिवजी का माँ नर्मदाजी के निर्मल नीर से शिवजी का अभिषेक किया जावेगा। इस तरह आज शिवधाम डमरूघाटी में

भक्तों का जन सैलाब उमड़ने से नही चूक पायेगा। वही दूसरी ओर लगातार दूसरे वर्ष महाकाल की नगरी उज्जैन की तर्ज पर महाकाल की पालकी यात्रा भी निकाली जा रही है। इस तरह श्रवण मास के चौथे व अंतिम सोमवार के चलते आज नगर से लेकर गांव गांव अनेक जगहों पर शिव रूद्री निर्माण के आयोजन भी किये जावेगे। वही दूसरी ओर नगर के शिवधाम डमरूघाटी में शिव भक्तों का मेला लगने जैसी स्थिति भी आज देखने मिलेगी। जहां पर शहर सहित आसपास के गांवों से सैकड़ो शिव भक्त पहुंचते हुये भगवान भोलेनाथ की आर्धना करेगे। वही दूसरी ओर आज सावन मास के दूसरे सोमवार को अनेक जगहों पर विशाल काबड़ यात्रा निकाली जावेगी जो शिवजी के चरणों में जल अर्पित करते हुये आशीर्वाद ग्रहण करेगे। इस तरह आज शहर से लेकर क्षेत्र के गांवों में शिवजी की आराधना की धूम देखने मिलेगी।



नर्मदा के जल स्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी, ककरा पुल के समीप पानी पहुंचने से देखने वालों की उमड़ रही भीड़



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। क्षेत्र सहित ऊपरी भागों में लगातार हो रही बारिश के चलते जहां नदियों में जल स्तर में बढ़ोतरी देखने मिल रही है। वही माँ नर्मदाजी के जबलपुर के पास बने हुये बरगी बांध में लगातार जल स्तर में हो रहे इजाफा के चलते बरगीबांध के 13 गेट खोले जा चुके है। यदि बारिश का दौर इसी तरह बना रहा तो

नर्मदाजी में बाढ़ के साथ बहकर आने वाली किसी सामग्री से क्षति न पहुंच सके। इस प्रकार नर्मदाजी का जल पुल के समीप पहुंचने के चलते यह नजारा देखने वालों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर पुल के ऊपर से छोटे बड़े वाहनों की आवाजाही निश्चित का दौर लगातार जारी है। क्योंकि चल रही नर्मदा जी में बाढ़ नजरा देखने



निश्चित तौर से गेट खुलने की संख्या में इजाफा होने से इंकार नही किया जा सकता है। इस तरह बरगी बांध के गेट खुलने के कारण माँ नर्मदाजी के जल स्तर में लगातार बढ़ोतरी होने के चलते समीपस्थ ककरा घाट पुल के समीप नर्मदाजी का पानी पहुंच चुका है। वही संबंधित विभाग द्वारा पुल डूबने की संभावना को ध्यान में रखते हुये पुल के दोनों ओर की रैलिंग इसलिये ल्काल दी गई है कि पुल को

पहुंचने वाली भीड़ पुल के ऊपर खड़ होकर बाढ़ को देखने के चलते खतरा बढ़ने से नही चूक रहा है...? क्योंकि बगैर रैलिंग के पुल ऊपर भीड़ होने के दौरान वाहनों की आवाजाही निश्चित तौर से बड़ी घटना का कारण बन सकती है। इस स्थिति में पलोहा सहित तेंदूखेड़ा पुलिस को अपनी सतर्कता का परिचय देते हुये पुल के ऊपर एकत्र होने वाली भीड़ पर अंकुश लगाना चाहिये।



# नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईखेड़ा | चीचली | करकबेल

## खबर संक्षेप

नर्मदा नदी में बढ़ा जल स्तर प्रशासन ने की अपील



हरिभूमि न्यूज़ – नरसिंहपुर। बीते दिनों से जबलपुर स्थित बरगी बांध के 17 गेट खोल जाेने और क्षेत्र में लगातार हो रही रिमझिम बारिश के चलते जिले में नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी में आए उफान के कारण बरमान स्थित स्थाई आवागमन वाले छोटा पुल डूब गया। जलस्तर में हो रही लगातार वृद्धि के बावजूद घाटों पर लोगों की भारी लापरवाही सामने आ रही है। प्रशासन द्वारा लोगों को नर्मदा नदी के घाटों पर जाने से दूरी बनाए रखने की अपील की है।

## कांग्रेस सेवा दल की कार्यकारिणी गठित

हरिभूमि न्यूज़ – नरसिंहपुर। जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अतुल चौरसिया ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भागवत की अनुमति एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल की सहमति से कार्यकारिणी की घोषणा की। श्री चौरसिया ने बताया कि जिला पदाधिकारियों में उपध्यक्ष रीतेश नामदेव, उमाकांत गुप्ता, रंजीत चौरसिया, कोषाध्यक्ष अभिषेक जाट, महासचिव सीताराम पटेल, अमरू खान, अन्नी यादव, आयुष जैन, हरि विष्णु कौरव, आशीष कौरव, वीर कौरव को बनाया गया है। जबकि मुख्य प्रशिक्षक एड. रंजीत पटेल, प्रशिक्षक रूपेश बरसैया, अमर सिंह सिलावट, राजू झारिया, जगमोहन पटेल जमाड़ा, वहीं सचिव पद पर अमय नेमा, संदीप राय, जितेंद्र तिवारी, कैलाश रघुवंशी, अभिषेक लेवी, पलाश पटेल, शरद साहू, नीरज स्वामी, सीरम पटेल, प्रदीप गुमास्ता, प्रसन्न राठौर, रामजी राय, अनूप शुक्ला, संयुक्त सचिव आजाद खान, रीतेश यादव, शेख रिजवान खान, कपिल ठाकुर ,दीपक शर्मा, सचिन पुरी गोस्वामी, आनंद ज्योतिषी, अनुज वैरसिया, दीपक पटेल, रश्मि चौरसिया, अंशुल मेहरा को लिया गया है। इसके अलावा मीडिया समन्वयक संदीप दुबे, बबलू कहार को नियुक्त किया गया है। जबकि सोशल मीडिया समन्वयक रीतेश उपाध्याय, गोल्डी खान को बनाया गया है। ध्वज प्रमारी देवेन्द्र शुक्ला रहेंगे। इसके अतिरिक्त विनीत पवैरी, सतीश पटेल, राजेश ठाकुर, गोपाल सिंह लोधी, राघवेंद्र गुमास्ता, अंकुर बटरी, ऋषिराज कुंवरक्या, नफीस खान, राजा मालवीया, शनि केशरवानी, अंवल तिवारी, मिस्टर कीर, लोकेश कुमार पटेल, आशुतोष शुक्ला, कपिल कौरव, सूरज राय, मनीष कौरव एवं तिलक चौहान को नियुक्त किया गया है।

## शांति समिति की बैठक आज

हरिभूमि न्यूज़ – नरसिंहपुर। जिले में 26 अगस्त 2026 को मिलाद-उन-नबी और 14 सितम्बर 2026 से गणेश उत्सव का तौहार मनाए जाने के संबंध में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक नरसिंह भवन कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में सोमवार 24 अगस्त 2026 को सायं 5 बजे से आयोजित की जाएगी।

## ई-विकास प्रणाली 2.0 से उर्वरक विक्रय के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ – नरसिंहपुर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा प्रदेश में उर्वरक वितरण व्यवस्था के संबंध में ई-विकास प्रणाली 2.0 से उर्वरक विक्रय निश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में विपणन संघ के डबल लॉक केन्द्रों, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों, एमपी एगो के वितरण केंद्रों एवं निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर समस्त प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। ई-विकास प्रणाली 2.0 के माध्यम से उर्वरक विक्रय की व्यवस्था सभी प्रकार के रिटेल उर्वरक विक्रेताओं, निजी एवं सहकारी, पर लागू होगी। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के तहत ई-विकास प्रणाली के संबंध में विभिन्न किसान संगठनों, निजी विक्रेताओं एवं अन्य स्ट्रेकहोल्डर्स के प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त करने तथा प्रणाली के क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया था। समिति से प्राप्त सुझावों को ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली 2.0 में अंगीकृत किया गया है, जिससे पोर्टल को अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया गया है।

# भुट्टे के दीवाने हो रहे लोग, बाजार में बढ़ी मांग

## आसपास के जिलों से हो रही भुट्टे की पूर्ति

## सीजन के हिसाब से लोगों की पसंद बना भुट्टा

सावन का माह जितना पावन व पुनीत होता है उतना ही मनमोहक भी होता है रिमझिम बारिश के साथ लोगों को नई - नई खान पान की चीजों को भी परोसता है। बारिश होने पर लोग पकोड़ो की मांग करने लगते है ऐसी अनको चीजें है। बीते कुछ दिनों से बाजार मे आने वाले भुट्टे की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है। जिले भर मे भुट्टे बेचने वाले को दर्जनों दुकाने गली चैराहो पर लगी नजर आने लगी है।

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

सीजन के हिसाब से लोगों के खानपान में भी अनेको वस्तुओं की वृद्धि होती रहती है। कुछ चीजें मौसम के अनुसार ही खाने को प्राप्त होती है लेकिन कुछ चीजें हमेशा मिलती रहती है। मौसम के अनुसार मिलने वाली चीजों में मक्का का भुट्टा भी



एक ऐसा ही मौसमी फसल है। हालांकि संसाधनों के चलते भुट्टा बारह माह मिलने लगे है लेकिन सावन के माह मे भुट्टा खाने का आनंद ही अलग है। नगर व जिले भर मे भुट्टे के सैकड़ो ठेले लगे हुये है। ठेले पर बिकने वाले भुट्टे को देखकर प्रत्येक आते जाते लोगो का मन मोह रखा है। बच्चो से लेकर बूढ़े भी भुट्टे को अपनी पंसदीदा बनाने लगे है।

## गली चैराहे मे बिक रहे भुट्टा

सावन के माह की शुरुआत के पूर्व से ही भुट्टा बाजार मे बिकना प्रारंभ हो चुका था लेकिन चिन्हित स्थानों पर ही भुट्टा मिलता था सीजन करीब आते ही भुट्टे की दुकानो मे बेहद वृद्धि हुई। वर्तमान में देखा जा रहा है कि गर्मियों के समय में जितनी गन्ने के रस की दुकाने नही थी उससे दोगुनी अधिक भुट्टे की दुकाने लगी हुई है। हर चौराहा गली - गली मे भुट्टा बेचने वाले आवाज लगाते नजर आ रहा है। लोगों भुट्टा खाने के लिये भी अपने कीमती समय मे से



समय निकालकर जाने लगे है। वही खेतो मे अभी भुट्टे की फसल नही आई है इसलिये भुट्टे की मांग भी बढ़ रही है जिसकी पूर्ति आसपास के जिले छिंदवाड़ा व सिवनी से की जा रही है ।

## समी पसंद बन रहा भुट्टा

भुट्टा खाना लाभदायक है और लोगों को सीजन मे ही भुट्टा खाने की लिये मिलता है। बीते कुछ दिनों से बाजार मे भुट्टे की डिमांड बहुत अधिक है और जिले के बाहर से लाकर भुट्टे की पूर्ति की जा रही है। भुट्टे खाने के लिये कामकाजी लोगों से घर वापस आते समय भुट्टा लाने की डिमांड बच्चे, गृहिणी व वृद्धों द्वारा कहा जाने लगा है। भुट्टा सीजन युक्त फसल है और यह अधिकांश सावन के माह मे ही प्राप्त होती है। सीजन के हिसाब से लोगों में खाने की भी रूचि होती है। जिले मे भुट्टे की पूर्ति आसपास के जिले छिंदवाड़ा और सिवनी एवं बालाघाट से की जा



रही है। भुट्टे की किस्म के आधार पर उसके दाम भी निश्चित की जाती है।

## चौपाटी पर भी भुट्टे की मार

लोगों द्वारा खाने पान के लिये अधिकांशतः चौपाटी मे मिलने वाली चटपटी चीजो को खाया जाता है लेकिन वर्तमान मे चौपाटी पर भी भीड़ नजर नही आ रही जिसका कारण है कि बाजार मे बिकने वाला भुट्टा लोगो के मन को लुभा चुका है। उचित दाम पर भुट्टा मिल रहे है। कामकाजी लोगों द्वारा शाम के समय मे हल्का आहार लेकर घर वापिसी की जाती है जिसके लिये वह चौपाटी का रुख करते थे लेकिन भुट्टे की दुकान पर जाकर वह संतुष्ट हो जाते है। भुट्टा सीजन के आधार पर मिलने वाली फसल है बारिश में भुट्टा का स्वाद और चार चांद लगाता है। जिले में भुट्टे की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है। भुट्टे के आवक के कारण चौपाटी की चमक भी फीकी नजर आ रही है।



## भरपूर स्वाद व उचित दर मे मिल रहा भुट्टा

बाजौर मे भुट्टे की आवाक कम है और प्रतिदिन भुट्टे की मांग बढ़ती जा रही है। लेकिन लोगो को भुट्टा इसलिये प्रिय है क्योंकि यह मौसमी व सेहत के लिये फायदेमंद आहार भी है। वर्तमान मे भुट्टे की कीमत किस्मों के आधार पर तय है। देशी भुट्टे की कीमत थोक में 12 से 15 रुपये प्रति नग है वहीं फुटकर में भूनकर 20 से 25 रुपये प्रति नग के आधार पर बिक रहा है। स्वीट कॉन थोक के भाव में 15 से 18 रुपये प्रति नग एवं भूनकर फुटकर मे 25 से 30 रुपये प्रति नग की दर पर बिक रहा है वहीं पॉपकॉर्न की बाजार मे आवक व मांग बेहद कम है जिसका थोक के दाम 15 से 17 रुपये है वहीं भून कर 25 से 30 रूपए में विक्रय किया जा रहा है। भुट्टा स्वाद से भरपूर होता है एवं उचित दाम में भी मिल रहा है। बारिश के समय में भुट्टा खाने का आनंद ही अलग है ऐसा लोगों द्वारा कहा जाता है।

## वृक्षारोपण कर मनाया हरियाली उत्सव



हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

गत दिवस नगर कलार महिला मंडल की सदस्यों द्वारा हरियाली उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव पार्वती का पूजन अर्चन शिव मंदिर अक्षर धाम कालोनी में किया गया ,साथ ही मंदिर प्रांगण में तीज उत्सव पर वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा भजन गाते गये। सावन के गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ गेम्स भी खिलाएं गये। विजेताओं को पुरस्कार दिये, सभी सदस्यों को श्रृंगार सामग्री दी गयी। इस अवसर पर मंडल के सभी सदस्य मौजूद रहे।

## श्रीधाम हॉस्पिटल में चौधरी परिवार का आयोजन, 250 मरीजों की निःशुल्क जांच

गोटेगांव। श्रीधाम हॉस्पिटल गोटेगांव में चौधरी परिवार की ओर से आयोजित इस शिविर में क्षेत्र के लोगों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया।शिविर में गोटेगांव के विभिन्न चिकित्सकों के साथ जबलपुर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भी मरीजों की जांच की। इस दौरान डॉ. एम.के. चौरसिया, डॉ. जी.सी. गौतम, डॉ. नरेंद्र जैन, डॉ. आशुतोष जैन, डॉ. अभिषेक राजपूत, डॉ. सुमन सोनी, डॉ. दिव्या सहित अन्य चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण किया।आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को उनके क्षेत्र में ही विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में मरीजों की जांच के साथ उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर चिकित्सकों ने आवश्यक सलाह भी दी।सेवा के साथ स्वास्थ्य का संदेशवैधुरी परिवार की इस पहल को क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की दिशा में सराहनीय प्रयास माना जा रहा है। बड़ी संख्या में मरीजों के पहुंचने से शिविर की उपयोगिता भी सामने आई। श्रीधाम हॉस्पिटल गोटेगांव में समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की जानकारी भी उपलब्ध है।



## नगरीय निकायों में चला विशेष स्वच्छता अभियान



हरिभूमि न्यूज़ – नरसिंहपुर। जिले के नगरीय क्षेत्रों को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख सड़कों, वाडों, पार्कों एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई कर कचरे का उचित निस्तारण किया गया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने-अपने नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने तथा नियमित साफ-सफाई के साथ आवश्यकता वाले स्थानों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।



## नर्मदा संरक्षण की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज़ – नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वाधान में राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष एवं पद्मश्री मोहन नागर के मुख्य आतिथ्य में नर्मदा-रेवा सेवा समागम के अंतर्गत नर्मदा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नरसिंहपुर में रविवार को सम्पन्न हुआ। कार्यशाला में नर्मदा समग्र के सचिव एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सलाहकार करण कौशिक, संगम समन्वयक अमिताभ श्रीवास्तव, नर्मदा समग्र के सदस्य विनोद शर्मा सहित नर्मदा संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय नर्मदा सेवी, विषय विशेषज्ञ एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

## वन प्रकृति का श्रंगार- 1100 वृक्ष बनाने का संकल्प

तेंदूखेड़ा वन प्रकृति का श्रंगार हुआ करते हैं। इनसे जहां मानव जीवन को प्राण वायु मिला करता है वहीं वनों से वेशकीमती इमारती लकड़ी और विभिन्न प्रकार की औषधियां भी सहज रूप में प्राप्त होती हैं। इसी संकल्प के साथ तेंदूखेड़ा की बाह्यमन महासभा के द्वारा क्षेत्र में लगभग 1100 सौ पौधे रोपण कर उन्हें वृक्ष के रूप में बनाने की अनूठी पहल की है। तेंदूखेड़ा को हरा-भरा बनाये जाने की दिशा में सुरक्षित धार्मिक और शासकीय स्थलों पर पौधारोपण किया जा रहा है।इसी श्रंखला के चलते खुले भंडार स्थल परिसर में नगर के प्रतिष्ठित जनों के बीच बाह्यमन महासभा ने 251 पौधों का रोपण किया गया।जिसमें नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर अपनी सहभागिता निभाते हुए पौधारोपण कर सहेजने का संकल्प लिया।इस मौके पर पहुंचे नगर के प्रतिष्ठित जनों ने भी अपने अपने विचार रखे और इस पहल की सराहना करते हुए मानव जीवन को प्राणवायु स्वच्छ आलौहवा के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। लोगों को अपने जीवन में कम से कम 5 पेड़ लगाने का भी पुण्य लाभ महत्व बताया गया।इस मौके पर प्रतिष्ठित गणमन्य नागरिक जनप्रतिनिधियों विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े सेवा भावी लोग उपस्थित थे।



## कच्चे सड़क मार्ग बनें मुसीबत आवागमन में हो रही परेशानी

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क मार्ग कुसीबत बने हुए हैं। ऐसा ही एक मामला समीपी ग्राम टेकापर ग्राम पंचायत के अंतर्गत सामने में आया है। जहां 10 -15 परिवारों का ग्राम खेरी बसा हुआ है यहां पर जाने के लिए टेकापर तरफ से रास्ता नहीं है काचरकोना होकर यहां पर जाना पड़ता है।पहले कभी खेत सड़क बनाई गई थी लेकिन वह भी खराब हो गई है। बरसात के दिनों में और भी रेतित गंभीर बनी हुई है।स्कूली बच्चों बीमार मरीजों और जरूरी काम से जाने आने के लिए समस्या बनी हुई है।

## शिशु मंदिर के सामने भरा पानी

ऐसा ही एक मामला खेरुआ टोला से काचरकोना तरफ जाने में बना हुआ है। सबसे बड़ा सोचनीय विषय तो यहां पर यह बना हुआ है कि यहां से पानी निकासी की व्यवस्था ना होने के कारण बरफ भर पानी भरा रहता है।इसी पानी में से स्कूली बच्चों से लेकर सभी वर्गों के लोगों को निकलना पड़ता है। निस्तार का पानी यहां पर हमेशा भरा रहने के



साथ बरसात के पानी और उखाड़ा भरा जाने के कारण लोगों को भारी परेशानी हो रही है। अनेकों बार स्थानीय स्तर और तहसील विकास खंड स्तर के अधिकारियों को शिकायतें की गईं लेकिन आज तक कोई सुधार नहीं हो सका है।

## श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर झूमें श्रद्धालु

तेंदूखेड़ा। इन दिनों पावन श्रावण मास के दौरान क्षेत्र में विविध धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन चल रहे हैं। इसी श्रंखला के चलते समीपी ग्राम इनकिरिया में चल रही खेतिराम्य श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दौरान कथा व्यास पं रमनाथ शास्त्री ने श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा बड़ी ही भाव से सुनाते हुए कहा कि जब जब धरती पर अधर्म अलाम् बढ़ता है। पापावार दुराचार बढ़ने लगता है, तब धर्म की विद्युत स्थापन के लिए अपने भक्तों को आनंद प्रदान करने के लिए भगवान अवतार लेते हैं। सृष्टि विषयक व्याख्यान में महाराज मनु के द्वितीय पुत्र गियवत जी के वंश का वर्णन करते हुए वृतासुर का चरित्र पहलाद चरित्र सदाचार वर्णाश्रम नारी धर्म ग्रह चरित्र समुद्र मंथन बाली बामन संवाद सूर्यवंश चंद्रवंश का विस्तार से वर्णन करते हुए श्री कृष्ण भगवान के अवतार की सुंदर कथा सुनाई। भगवान बालगणेश की सुंदर बाल लीलाओं को कथा के माध्यम से बड़े ही विस्तृत रूप से भक्तों को बताया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने पहुंच रहे हैं। कथा आयोजक ने सभी धर्मावलंबी जनों से कथा में ध्यान देने का आग्रह किया है।



## राशन वितरण में गड़बड़ी-उपभोक्ता पहुंचे विधायक के पास

तेंदूखेड़ा ग्रामीण क्षेत्रों में राशन वितरण प्रणाली में आज भी गड़बड़ झाला बना हुआ है।समय पर राशन ना मिलने के साथ एक साथ दो और तीन माह के राशन पर उपभोक्ताओं को एक ही माह का राशन दिया जाता है और हस्ताक्षर पूरे माहों के करवा दिये जाते हैं। ऐसा ही एक मामला ग्राम सगोरिया राशन वितरण प्रणाली में देखने को मिला है जहां प्रभावित उपभोक्ता क्षेत्रीय विधायक के निवास पर पहुंच कर अपनी आप बीती सुनाई है विधायक ने भी इस व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर महादया को तत्काल प्रभाव से उचित कार्यवाही के साथ शीघ सुधार की बात



कही है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सगोरिया के पॉइंट उपभोक्ताओं ने बताया कि यहां पर 100 से अधिक

परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण किया तो जाता है लेकिन ऊपर से जिस हिसाब से राशन आता है उतना नहीं

मिलता है।अधिकंश उपभोक्ताओं से अंगूठे तो लगवाये जाते हैं और एक माह का ही राशन थमा दिया जाता है। जबकि राशन कमी दो माह कभी तीन माह का इकट्ठा आ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यहां पर जो वितरक है उनके ऊपर पूर्व में गबन का आरोप लग चुका है और लगभग 12 लाख की रिकवरी निकल चुकी है। फिर भी अधिकारियों से साठगांठ के चलते उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। उपभोक्ताओं ने राशन वितरण व्यवस्था में शीघ सुधार की मांग की है।

## नरसिंहपुर जिला बना मीटिंगों का गढ़!

गोटेगांव नरसिंहपुर जिले में इन दिनों प्रशासनिक गतिविधियों की तस्वीर देखें तो बैठकों की कोई कमी नजर नहीं आती। सप्ताह में कई दिन अलग-अलग विभागों की बैठकें, समीक्षा बैठकें, निर्देश और प्रगति रिपोर्ट... और सोमवार आते ही टीएस (टाइम लिमिट) बैठक का सिलसिला। बैठकों का यह दौर लगातर जारी है, लेकिन अब सवाल यह उठने लगा है कि इन बैठकों के बीच निजी विकास की रफ्तार आखिर कहाँ है?बैठक में योजनाओं की समीक्षा होती है, अधिकारियों को समय-सोमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए जाते हैं, लिखित मामलों पर चर्चा होती है और प्रगति के आंकड़े सामने रखे जाते हैं।लेकिन जनता की नजर उस रिपोर्ट पर नहीं, बल्कि सड़क, नाली, पानी, सफाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और मूलतः सुविधाओं में दिखाई देने वाले बदलाव पर है।बैठक पर बैठक... फिर भी जनता इंतजार में।प्रशासनिक बैठकों का उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना और विकास कार्यों को गति देना है। लेकिन यदि बैठक के बाद भी वही समस्याएं अगली बैठक की समीक्षा सूची में फिर दिखाई दें तो सवाल उठाना स्वाभाविक है।क्या जिले में विकास की रफ्तार बैठकों के एजेंडे और कागजी रिपोर्ट तक सीमित होती जा रही है? क्या हर समस्या के समाधान के लिए एक नई बैठक जरूरी है? या फिर अब बैठकों से निकलकर अधिकारी और जिम्मेदार विभाग धरातल पर काम की रफ्तार बढ़ाएंगे?शासकीय धन खर्च हो रहा, जनता परिणाम चाहती है।हट्ट बैठक के पीछे सरकारी मशीनरी का समय, संसाधन और शासकीय खर्च जुड़ा होता है। ऐसे में जनता का सीधा सवाल है— बैठकों पर होने वाला खर्च और अधिकारियों का समय आखिर कितना ठोस परिणाम दे रहा है?जनता को बैठकों की संख्या नहीं चाहिए। उसे चाहिए कि सड़क के गढ़े भरें, नालियां साफ हों, पानी की व्यवस्था सुधरे, सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र हिताधिकारियों तक पहुंचे और विकास कार्य समय पर पूरे हों।अब बैठक की नहीं, परिणाम की जरूरत है।बैठकें प्रशासन का जरूरी हिस्सा हैं, लेकिन बैठक तभी सार्थक मानी जाएगी जब उसका असर जमीन पर दिखाई दे। सोमवार की टीएस बैठक में तय होने वाली समय-सीमा तभी मायने रखती है, जब अगली समीक्षा में सिर्फ रिपोर्ट नहीं बल्कि पूरा हुआ काम जनता के सामने दिखाई दे।नरसिंहपुर की जनता अब शायद यही फुसना चाहती है—“बैठकें कितनी हुईं, यह नहीं बताइए... बताइए कि विकास कितना हुआ?”कहीं ऐसा तो नहीं कि नरसिंहपुर मीटिंगों का गढ़ बनता जा रहा है और विकास बैठकों के बीच कहीं विश्राम कर रहा है? अब प्रशासनिक तंत्र को यह साबित करना होगा कि बैठकें केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की शुरुआत हैं।